श्याम आएंगे खाटू से | Komal Gouri

वो श्याम आएंगे खाटू से
श्याम आएंगे बिगड़ी मेरी बनाने को
सजा के बैठी हूँ मैं भी गरीबखाने को

द्वारा तेरा ही काफी है सब द्वारो से
सहारा तेरा ही काफी है सब सहरो से
ये आँखें तरसी है मेरी दीदार पाने को
सजा के बैठी हूँ मैं भी गरीबखाने को
वो श्याम आएंगे .....

श्याम मेरे श्याम , मेरे श्याम , मेरे श्याम , मेरे श्याम

वो श्याम आएंगे मैं रास्ता निहार रही
दिखा दो दर्श ऐ बाबा मैं पुकार रही
छुपा लूँ आँखों में ना हो खबर ज़माने को
सजा के बैठी हूँ मैं भी गरीबखाने को
वो श्याम आएंगे .....

आओ सांवरे मुझको अब ना तरसाओ
मेरी धड़कन मेरी साँसों में अब समा जाओ
आओ बिगड़ी कोमल की, आओ बिगड़ी साबिर की अब बनाने को
सजा के बैठी हूँ मैं भी गरीबखाने को
वो श्याम आएंगे .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%86%e0%a4%8f%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a5%87-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%b8%e0%a5%87-komal-gouri/